लाली भर के नेत्र में रूप किया विकराल । मह्में काली की द्यक्तिने द्रांनव किये हलाल ॥

मेरी में का खप्पर है रंगला काली माता का खप्पर है रंगला खड़ग मैया का लाल खप्पर है रंगला रंगला रंगला रंगला रंगला रंगला मेरी में का

रक्तनीज दुर्गव बहुशाली दिखा रहा माया जाल-खप्यर है रूंगला रूंगला रूंगला रूंगला रूंगला मेरी मह्ह का खप्पर काली माता का खप्पर नाना भेष रखे दानवने में हंस के करे हलाल-खपरहें रंगला रंगला रंगला रंगला रंगला रंगला... मेरी में का खपर...... काली माताका.....

ज्यों ही रक्त्रीयरे घरती पर हुये दुनम्ब तत्काल-खपार है रंगला रंगला रंगला रंगला रंगला मेरी मह्म का खपार------काली माताका-----

को धित हो मही ने हुंकारा तेज हुई फिर चाल- खप्पर है रंगला रंगला रंगला रंगला रंगला मेरी मही का खप्पर-----काली माताका दोड़ - दोंड़ दानव को मोर नेत्र हुये हैं लाल - खप्पर हैं रंगला रंगला, रंगला , रंगला मेरी मार्स का खप्पर हैं----काली माताका खप्पर ----

माता के विकराल रूप से रक्त बीज बेहाल-खप्पर हैं रंगला रंगला, रंगला, रंगला, रंगला, रंगला मेरी मेले का खप्पर हैं-----काली माता का खप्पर----रक्त बीज को जिस संघारा

ऊँचा मही काभाल-खण्य है रंगला रंगला, रंगला, रंगला,रंगला,रंगला मेरी मी का खण्य है----काली माताका खण्य ---- केसे कोध थांत हो मही का रियाव लेटे तन्काल- खप्पर है रंगला रंगला. रंगला, रंगला, रंगला रंगला मेरी मही का खप्पर है----काली माना का खप्पर----

उद्यों ही पैर पड़ा सीने पर में यह गई जीभ निकाल-खपरहै रंगला रंगला, रंगला, रंगला, रंगला, रंगला मेरी में का खपर है----काली माताका खपर----

विनय सुनो मक्न भीवाबाशी" की रहें सभी खुशहाल- खप्पर है रंगला रंगला रंगला ,रंगला ,रंगला ,रंगला मेरी मक्न का खप्पर है-----काली माता का खप्पर -----